

प्राणिक ऊर्जा : विशिष्ट उपचार



लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक
एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

विछले 15 (पंद्रह) अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जौ भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर में चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है: ऊर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य

में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगों के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-I व विशिष्ट उपचार स्तर-II में प्रत्यक्ष ऊर्जा के लिए विजुअलाइजेशन व अवरूद्ध चक्र, औरिक ऊर्जा की अशुद्धि या आभा और चक्रों के गूढ़ ज्ञान की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, विशिष्ट उपचार स्तर-II के विषय में सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ना बताया गया है।

16.0 सहज ज्ञान युक्त तकनीक

16.1 आभा और चक्रों को पढ़ना

जब तक सहज जानकारी प्राप्त हो रही है, सभी प्रयासों को जारी रखें और किसी भी प्रकार के नियंत्रण महसूस हो रहा हो उसको छोड़ दें और इसका आप स्वागत करें। अपने दिमाग में आ रहे सभी विचारों का बहाव आने दें और पूर्वाग्रहों को छोड़ते हुये अपनी सोच को स्थगित रखें, कुछ भी देखने का प्रयास न करें, इसके उपरंत भी आप शरीर की रूपरेखा देख / महसूस कर सकते हैं। हालांकि इस प्रयास

से शरीर की अन्य जानकारी, फजी क्षेत्रों या आभा, रंगों या अन्य कई तरीकों से इस प्रकार के अन्य आकृतियों या पैटर्न पर धब्बों के रूप में पैटर्न बनती दिखाई देगी। जो कुछ भी आता है, उस पर किसी भी फैसले या 'सोच' पूर्वाग्रह के बिना, आओ देखो जो सहजता से आ रहा है, वह विजुअलाइजेशन के समान है जैसा आपने पहले अभ्यास किया है। यह देखने का नाटक नहीं है, बल्कि यह तीसरा आंख चक्र-सूचना के साथ सहजता से देखने की जानकारी है, जो भौतिक आंखों के साथ देखने के रूप में, अस्तित्व को महसूस करना होता है।

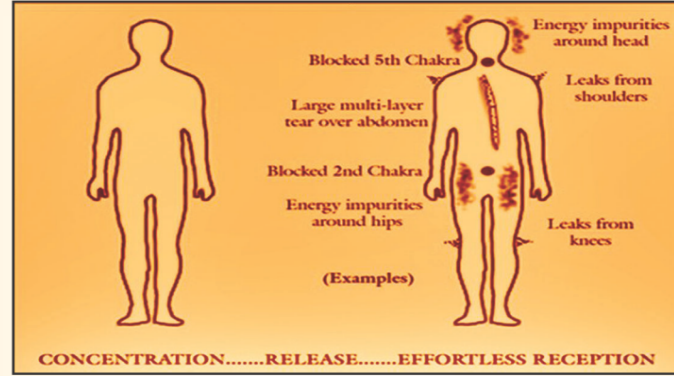
आपको यह बताना संभव नहीं है कि आप क्या देखेंगे, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति अलग तरीके से अनुभव करता है, जिसे आपको अनुभव करना चाहिए और अपने लिए

(भाग-16)

व्याख्या/आकलन करना चाहिए। आपकी खुद की अनूठी धारणाएं शायद आप चक्र स्थान पर एक मलिनकिरण या कलंक देख पाएंगे और एक ही समय में पता चलेगा कि यह एक अवरूद्ध चक्र है। शायद इस क्षेत्र में आप रिसाव या ऊर्जा छेद को समझेंगे, क्षतिग्रस्त क्षेत्रों में ऊर्जा लीक हो जाएगी शायद आप सिर के चारों ओर कूपता भी देखेंगे जिसे आप औरिक ऊर्जा की अशुद्धता के बारे में जानते हैं, और उसी समय ऊर्जा को महसूस करने के लिए एक चिकना या मैला महसूस होता है। शायद आप पूरे क्षेत्र में ऊर्जा प्रवाह की एक पूरी तरह से परेशानी महसूस करेंगे। शायद आप क्षेत्र में ऊर्जा कमजोरी, ऊर्जा की कमजोरी महसूस करेंगे आप उस व्यक्ति की अनूठी हालत के आधार पर, विभिन्न संयोजनों में, अपने रोगी में इन सभी या सभी शर्तों को महसूस करेंगे।

आप इन क्षेत्रों के लिए उचित उपचार के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने पठन में 'मानसिक दृष्टि से' सीमित नहीं होंगे, क्योंकि सूचना 'अपने' शरीर में भी

'आवाज' या 'भावनाओं' के माध्यम से आ सकती है। समझने के लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि आप देखने की प्रक्रिया नहीं करेंगे जो आप आमतौर पर अपनी आंखों से करते हैं। यह एक दूर की स्मृति याद करना या एक सपने जैसा होगा जिसे आप सपने में लिया फैसला मानेंगे, बिना यह जाने कि उसका क्या परिणाम होगा। यह आपके द्वारा 'सोचने' वाली जानकारी नहीं होगी, लेकिन जो जानकारी आती है, वह स्वचालित रूप से है।



यदि आप जानकारी प्राप्त करते समय, अपने विचारों से अपने को विचलित पाते हैं, तो उन्हें छोड़ दें। जब आप स्पष्ट मानसिक जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तो आप विचारों और भावनाओं से मुक्त हैं तथा सोच मन की अत्यधिक गतिविधि से मुक्त हैं और केवल अपने आप से परे, आने वाली जानकारी को उभरने की अनुमति दे रहे हैं। यदि आप सांसारिक विचारों, या संदेह से विचलित हो जाते हैं, तो उन पर प्रतिक्रिया न करें, बस उन्हें छोड़ दें और जानकारी को आसानी से प्राप्त करना जारी रखें। यह जानकारी व्यापक जागरूकता के दायरे से आ रही है, संभवतः एक गाइड से, एक अलग 'स्वाद', एक अलग लग रहा है, कि आपके मन से विचार आपको यह जानने की आवश्यकता है कि यह अंतर कैसे महसूस करता है।

इस व्यायाम में सिर्फ एक या दो मिनट लेगा और दूसरी या तीसरी बार दोहराया जा सकता है, अगर आपको लगता है कि इससे लाभ होगा। यद्यपि यह एक बार अक्सर पर्याप्त होता है, खासकर जब आप इस मूल तकनीक में कुछ अनुभव प्राप्त करते हैं। इस तकनीक का

एक बार या कई बार उपयोग कर सकते हैं, यदि आप अपने रोगी की स्थिति की संपूर्ण जानकारी को एकीकृत करने के साथ-साथ आभा और चक्रों के विभिन्न ऊर्जावान दोषों के बारे में जानने के लिए सभी सूचनाओं को एकत्रित करने की अनुमति देते हैं।

यह तकनीक एक बहुत ही उपयोगी प्रशिक्षण उपकरण है और जब आप ऊर्जा क्षेत्रों को सीखने और अपनी क्षमता को पूरा करने के दौरान भौतिकरूप में पढ़ने के लिये इस्तेमाल किया जाना होता है। जब आप अंतर्ज्ञान तकनीक में बहुत उन्नत हो जाते हैं, तो आपको अब इन चरणों का सावधानी से पालन करना होगा। आप अपनी जागरूकता को जैसे बढ़ावेंगे, यह जानकारी स्वतः ही आएगी। इस मूल तकनीक को कई अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किया जा

सकता है। आपको देखने जानकारी के अलावा, कई बार आवाज, भावनाएं, आंतरिक ज्ञान या अन्य मार्गदर्शन प्राप्त हो सकते हैं। आप किसी भी रंग के लिए बात कर सकते हैं-चाहे चक्रों के रंग हो या आभा की निचली परतों के रंग हो। आप अपने सभी जागरूकता में उभरने के लिए अपने रोगी की स्थिति को समझने के लिए, यह सारी जानकारी और अपने हाथों की संवेदना का उपयोग करेंगे। मात्र अपने रोगी की स्थिति का 'विश्लेषण' न करें, बल्कि आप अपने अंतर्ज्ञान का उपयोग प्राप्त की जा रही जानकारी को एकीकृत और आकलन करने के लिए कर सकते हैं। इस जानकारी को उभरने दें, अपने पहले आकलन पर भरोसा करें और अपने सोच मन को प्रोत्साहित न करें या जो उभरता है उसे संशोधित करें। आप अपने द्वारा प्राप्त की जाने वाली जानकारी पर भरोसा करें और अपने सहज ज्ञान पर भरोसा करना सीखें- यह आपके तर्कसंगत दिमाग के रूप में एक वैध उपकरण है।

16.2 आभा को देखने की युक्ति

सीखना: ऊर्जा उपचार के दौरान, आप अक्सर पहले मानसिक जानकारी और मार्गदर्शन को अपनाने के साथ रोगी के आभा और चक्रों की स्थिति को महसूस करेंगे। ऐसा करने के बाद, हालांकि आभा देखकर भी अभ्यास करना अच्छा है। मानव आभा को देखने के लिए सबसे पहले यह मुश्किल है, क्योंकि आंख इसे देखने की आदी नहीं है। लेकिन चिंता न करें, यदि आप पहले कभी चमक नहीं देखी है। वास्तव में हर कोई जो भी आभा को देखने के अभ्यास करने में लगा रहता है, उसमें वह सफल हो सकता है, परंतु इसमें थोड़ा समय लग सकता है। दरअसल, आभा सभी के लिए दृश्यमान है, हालांकि हम इसे खुद को पहचानने के लिए नहीं सीखते हैं, इससे देखने की हमारी क्षमता विकसित करते हैं या उसकी मौजूदगी को समझते हैं। यह बहुत संभव है कि आपके अनुभवों में आपको कुछ जागरूकता के कुछ स्तर पर आभा का कुछ हिस्सा दिखाई दे रहा है, परंतु आपके चेतन मन ने इन्हें उन्हें पहचान नहीं लेता है। कई बार ऐसे समय होते हैं जब आपको अन्य व्यक्तियों की भावनात्मक या मानसिक स्थिति से अवगत कराया जाता है, उदाहरण के लिए-उनके आभा की अज्ञानता से एक गहरे स्तर पर जानकारी। आभा को देखने का प्रयास एक वातावरण में किया जाता है जो इसे देखने के लिए अनुकूल होता है, ऐसा माहौल जिसमें उज्ज्वल या कठोर प्रकाश नहीं होता है और न ही रोशनी जो बहुत मंद हो। सामान्य प्रकाश, जो एक कमरे में न तो बहुत उज्ज्वल है और न ही अंधेरा, आदर्श माना जाता है। पृष्ठभूमि का रंग जिसके विरुद्ध आप आभा को देखने का अभ्यास करेंगे, न तो बहुत ही गहरा, न ही बहुत हल्का और न ही एक मजबूत रंग होना चाहिए। एक हल्के से मध्यम तटस्थ रंग सर्वश्रेष्ठ व भूरा रंग आदर्श होगा। यदि आप उपचार के दौरान अभ्यास करने का निर्णय लेते हैं, तो आप अपने इलाज की मेज को उपयुक्त रंग से कवर कर सकते हैं, अगर यह पहले से नहीं किया गया है। अभ्यास के लिए किसी मानव विषय का उपयोग करना सबसे अच्छा है और जानने के लिए बाहरी उपकरणों, जैसे विशेष चश्मा, का प्रयोग करना आवश्यक नहीं है।

अवशेष अगले अंक में पढ़ें...